

दिल्ली की हवा में और सुधार, आखिरकार GRAP-1 भी हटा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

विद्युत की बरिच के बाद दिल्ली की हवा में और सुधार दर्ज किया गया। इसके बाद शोर्ट टर्म एक्शन प्लान (GRAP) के स्टेन-1 को हटा दिया गया। इस साल फाल्गुन के आखिरी दिनों में जब प्रदूषण का स्तर कम हुआ है। इससे राजधानी में हवा की स्थिति और सुधर रही है।

इस साल फाल्गुन माह प्रदूषण का स्तर कम हुआ है। इससे राजधानी में हवा की स्थिति और सुधर रही है।

दुर्गम हवा को 'सामान्य' श्रेणी में आता है। पिछले एक सप्ताह से दिल्ली में AQI लगातार कम हो रहा था और हवा की स्थिति खराब से सामान्य स्तर की ओर जा रही थी।



मौसम सुशुभना | सोमवार को पली ठंडी हवाओं को वजह से मौसम रात सुलभ

बारिश ने फिर सुहाना बनाया मौसम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली में फिर एक दिन की हल्की बारिश ने मौसम सुहाना कर दिया। अब मौसम विभाग ने 18 से 20 मार्च तक हल्की बारिश का अनुमान जताया है। 20 मार्च के लिए विभाग ने बेसी अलर्ट भी जारी किया गया है, इस दिन हल्की बारिश के साथ तेज रफ्तार हवाएं चल सकती हैं। इस शिखर से पहले कुछ दिनों में तेज हवाओं और हल्की बारिश के कारण दिन के तापमान में 3-4 डिग्री की गिरावट भी देखने को मिल सकती है। सोमवार को ठंडी हवाओं के साथ सुबह और रात को मौसम सुहाना रहा, हालांकि दिन में धूप तेज लगी। अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया 17 मार्च को भी दिल्ली में अधिकतम रूप से बादल छा रहे हैं।

नमस्ते इंडिया दही

Creamy Delicious Dahi

390 g ₹35

अब 18 से 20 मार्च तक हल्की बारिश का अनुमान

1800-123-0600 | cm@nbtg.com | www.namasteindiafoods.com

ये पिंक कार्ड बनवाना नहीं आसान... टोकन की मारामारी है, दिन पूरा खप जाना है

दिल्ली सरकार ने 2 मार्च को पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड योजना की शुरुआत की थी। जिससे महिलाएं डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त सफर कर सकें। पिंक कार्ड बनवाने के लिए 50 सेटर्स खोले गए हैं, जहां तड़के 4:30 बजे से ही महिलाओं की लंबी लाइन लग रही है। सुबह से लाइन में लगने के बाद कई महिलाओं का नंबर दोपहर बाद आ रहा है। सेटर्स पर कार्ड बनवाने में महिलाओं को क्या-क्या दिक्कतें आ रही हैं, पेश है बृजेश सिंह, सुदामा यादव, राजेश सरोहा, राम त्रिपाठी और राजेश पोद्दार की रिपोर्ट:



महिलाओं का कहना है कि ऑनलाइन मोड पर भी बनाए जाने चाहिए पिंक कार्ड



व्यवस्था से खुश नहीं दिखी महिलाएं

सुबह 7 बजे से लाइन में लगने के लिए एक रात बंदी है, लेकिन नंबर नहीं आता है। कर्मचारी कोई औरत को रोककर बस लाइन में आने लगे हैं। सोमवार सिटीजन के लिए अलग से कोई लाइन भी नहीं है। बिटो के बाहर लाइन में लगी 75 साल की महिला बस की व्यवस्था से बहुत अस्वस्थ दिखती हैं। उनके साथ लाइन में खड़े विहार-3 की सोनिया सिटीजन विनय, बबिता भी थीं। पलापुरी से आई तैली और गांधीनगर की लक्ष्मी कश्यप हैं कि इंटर दिल्ली में एक ही सेक्टर बनाया गया है।

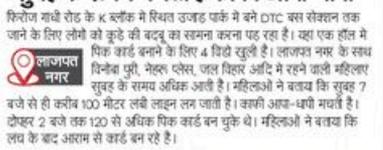


नंद नगरी डिप्टी कमिश्नर (विवेक) आडित्स

सिर्फ एक ही काउंटर चालू मिला

यहां काउंटर के बाहर पिंक कार्ड के बड़े-बड़े साइन बोर्ड लगे हैं। साइन बोर्ड पर पिंक कार्ड से जुड़े हर एक जानकारी लिखी हुई है। यह भी लिखा है कि 5 साल से उससे अधिक उम्र की लड़कियां अपना पिंक कार्ड बनवा सकती हैं। रीजिस्ट्रेशन के लिए सिर्फ आधार कार्ड और आधार कार्ड पर रीजिस्टर्ड मोबाइल नंबर चाहिए। पिंक कार्ड बनवाने के लिए लाइन में लगी कुख्या, रक्षिका और अरली ने बताया कि 5-6 महिलाओं को एक साथ आकर भेजा जाता है। जब उन महिलाओं का कार्ड बन जाता है, तो फिर इसी तरह

से बाकी महिलाओं को आकर भेजा जाता है। टोकन बांटने के लिए काउंटर भेरी ही सुबह 9 बजे खुल, लेकिन महिलाएं काफी संख्या में पहले से लाइन में खड़ी थीं। सुरक्षा में सिर्फ 120 टोकन बांटे गए। क्या सिर्फ एक ही काउंटर काम कर रहा है। काउंटर पर तैयार कर्मचारी ने बताया कि एक काउंटर पर महिलाओं का रीजिस्ट्रेशन किया जा रहा है, जबकि दूसरे काउंटर से कार्ड दिए जा रहे हैं। टोकन लेने वाली महिलाओं के कार्ड बनने के बाद बिना टोकन वाली महिलाएं सीधे काउंटर पर कार्ड बनवा सकती हैं।



'सुबह के समय मचती है काफी आपा-धापी'

दिल्ली के बाहरी रोड के 45 क्लस्टर में बिना उजड़ पकने में डीटीसी का रीजिशन तक जाने के लिए लोगों को कुंठे की बंदूक का सहारा बनना पड़ रहा है। मध्य एक हील में पिंक कार्ड बनाने के लिए 4 डिग्री खुली है। लाइन में लगे के साथ शिकारी, मेकरा, मेकरा, जल विहार आदि में रहने वाली महिलाएं सुबह के समय अधिक आती हैं। महिलाओं में बताया कि सुबह 7 बजे से ही कर्मचारी 100 टोकन लंबी लाइन बन जाते हैं। कर्मचारी आधा-धारी मचती हैं। दोपहर 2 बजे तक 120 से अधिक पिंक कार्ड बन चुके थे। महिलाओं ने बताया कि लव के बाद आराम से कार्ड बन रहे हैं।



'तड़के 4:30 बजे टोकन, दोपहर में आया नंबर'

सुबह तड़के 4:30 बजे से टोकन की लाइन में हू। दोपहर साढ़े दो बजे नंबर आया है। यह कहना है कि ड्रवका की केंद्र का। यह ड्रवका सेक्टर-2 का डिप्टी सेक्टर पर पिंक कार्ड बनवाया गया है। यही, मजु ने बताया कि अगर कोई सुबह टोकन न ले, तो रात 5 बजे तक भी कार्ड नहीं आती। सारे सेक्टरों पर मैनू ही रहती है। सेक्टर के बहिष्कृत ने बताया कि इस सेक्टर पर टोकन 200 टोकन जारी किए जाते हैं। सबसे अधिक मात्रा-मारी टोकन लेने के लिए है। एक बार टोकन मिलने के बाद यह सुनिश्चित हो जाता है कि कार्ड बन जाएगा। इंसिफर लीन तड़के 4 बजे से ही वादा लाइन में लग जाते हैं। सोमवार दोपहर साढ़े दो बजे तक इस सेक्टर में सिर्फ 13 लोगों को पिंक कार्ड जारी किए गए थे।



'लगाने पड़ गए कई चक्कर'

काउंटर के पास पिंक कार्ड बनाने के लिए काउंटर खोले गए हैं। एक काउंटर सिर्फ सीनियर सिटीजन के लिए बनाया गया है। इस काउंटर पर दोपहर के समय मुफ्तिक से 4-5 बुजुर्ग महिलाएं लाइन में लगी हुई थीं। काउंटर से पिंक कार्ड लेकर बाहर निकाली राजधानी में पहुंचने पर बताया कि वह नाद मचती रहती है। पिंक कार्ड बनवाने में कई चक्कर लगाने पड़ गए। पहले जब काउंटर पर पहुंची तो पता नहीं मोबाइल पर मेसेज नहीं आया। इस कारण दोपहर घर जाना पड़ा। घर से आधार कार्ड बनाने पर रीजिस्टर्ड मोबाइल लेकर पहुंची तो इस बार मोबाइल पर मेसेज आ गया। बाकी लोग काउंटर पर भी 7-8 महिलाएं लाइन में लगी हुई थीं। महिलाओं ने बताया कि उनसे पिंक कार्ड बनवाने में कितने तरह की कोई परेशानी नहीं हुई। मुफ्तिक से 10 मिनट में उनका नंबर आ गया।

अभी 3 महीने तक बनेंगे पिंक कार्ड, चिंता न करें: CM



Chief Minister

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिंक कार्ड सेक्टर पर खड़े भीड़ पर बताने वाली बरक महिलाओं को जबरन भीड़ का पिट्टा नहीं करने की अपील की है। सीएम ने कहा कि यह कार्ड अभी तीन महीने तक बनेंगे। इस दौरान पिंक कार्ड के साथ किंग टिकट भी बच्य होगा। उन्होंने महिलाओं से अपील की है कि यह आराम से कार्ड बनवाएं। जल्द पढ़ी ले सैरेंस की संख्या बढ़ाई जावे।

सीएम ने बताने वाली कलेर गुरु का कि मुझे पता चल रहा है कि पिंक कार्डों का सेक्टर पर बहुत भीड़ पड़ रही है। हमसे अपने लाइन में लम्बर कार्ड बनवा रही हैं। महिलाओं को पिंक कार्ड बनवाने को लेकर किसी भी तरह की जबरन भीड़ का पिट्टा करने की आवश्यकता नहीं है। पिंक टिकट में मुद्रा बच कर के लिए पिंक कार्ड बनाने का काम अपने तैली महीने तक जारी रहेगा। इस दौरान सिर्फ पिंक कार्ड और पिंक टिकट दोनों बच्य होंगे। किसी भी तरह से किंगों में बचाने की कोशिशें नहीं होने चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाएं आराम से सेक्टर पर जाएं और अपना पिंक कार्ड बनवाएं।

उन्होंने विचारों की आलोचना पर कहा कि पहले बसों में मुद्रा सभर के नाम पर बंधनकारी हो रहा था। पहले 100 महिलाएं चक्र करती थीं, तो उसे एक हजार टिकटवा जाता था। यह बंधनकारी का बहुत बड़ा अड़्डा था। अब 100 बसों टिकटवा करके तो कर्मचारी को 100 टिकट के ही पैसे मिलेंगे। एक हजार करके तो एक हजार के मिलेंगे। बंधनकारी खुद ही रहा है तो उन लोगों को बहुत तकलीफ हो रही है। हमसे सरकार का मतलब है कि उनका बच पैसा है तो जनता की सुविधाओं में लगाना चाहिए। पिंक कार्ड बनाने के लिए सेक्टर को जबरन पढ़ने तो और खोल दिए जायें।

ओटीपी नहीं आने की दिक्कत

डीटीसी बस डिपो पर शम करीब साढ़े 4 बजे करीब 20-25 महिलाएं पिंक कार्ड बनवाने के लिए खड़ी थीं। शाम 4:30 बजे तक 152 महिलाओं को कार्ड बनवा दिए थे। इनमें उनकी महिलाओं को प्रत्येक महिला की लंबी लाइन में लगी थी। डिप्टी सीएम का दोपहर में टोकन लाया था। कुछ किंग टोकन वाली महिलाओं के कार्ड भी बने, लेकिन पहले टोकन लेने वाली के कार्ड जारी किए गए। कही, एक बुजुर्ग महिला राजकुमारी भी अपने पति के साथ दूसरी बार लाइन में खड़ी थीं। उनका कार्ड नहीं बन पा रहा था, क्योंकि उनके आधार से जुड़े मोबाइल नंबर पर ओटीपी नहीं आ रहा था। कर्मचारी ने बताया कि एमपीएलएन के नम्बर पर ओटीपी अपने में सबसे ज्यादा टिकटवा आ रही है। पूरापूर में बताया गया कि सुबह पहले 100 टोकन बांटे जाते हैं और लंच के बाद 50 टोकन दिए जाते हैं। पहले सिर्फ टोकन मिलते हैं। प्रत्येक कार्ड बनकर आता है। उसके बाद आराम सभर बनता है। तो किंग टोकन वाली को बुलाया जाता है। शाम 4:30 बजे के बाद अपने कार्ड को अपने दिन अपने कार्ड लाता है। क्योंकि पिंक कार्ड बनाने वाला कर्मचारी का सचर 4-45 बजे ही बंद हो जाता है। कही, सोनिया ने बताया कि उनका कार्ड ले बन गया। कर्मचारी उन्हें तीसरी बार अपना पड़ा। पहले दो बार उन्हें बहुत भीड़ मिली थी, इसलिए वह वापस चले गईं थीं।

क्या कहते हैं कर्मचारी

अधीनुर के सेक्टर में कार्ड बनाने वाले कर्मचारी ने बताया कि अगर सचर अपने से बल रहा तो एक दिन में 150 से भी अधिक पिंक कार्ड बन जाते हैं। लेकिन सोमवार को 130 ही टोकन बांटे गए थे। हालांकि उन्होंने टिका किंग कि यह इसके बाद भी कार्ड बनते हैं।

सिस्टम को ऑनलाइन करे सरकार

कही, सेक्टर में मौजूद महिलाओं का कहना है कि 130 बस पूरे बन जाते, यही बहुत है। कई लोगों को टोकन मिलने के बाद भी आने दिना ही आने को कहा जाता है। हालात अपने बराबर है कि 7 बजे भी कर्मचारी ले उसे टोकन नहीं मिलता। सुबह के उबना महिलाएं महा सार्थक करती रहती हैं। सरकार को इसे ऑनलाइन कर देना चाहिए, जिससे हम आसानी से कार्ड बनवा सकें। कई महिलाओं ने बताया कि यह अधिकतर से टुकड़ी लेकर पहुंचती हैं। कुछ ऐसे महिलाएं मिलीं, जो ओटीपी नहीं आने की वजह से परेशान हो रही थीं।

...तो सभी महिलाओं के कार्ड बनने में लगेंगे दो साल!

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

पिंक कार्ड बनवाने के लिए सेक्टर पर लंबी लाइन लग रही है। प्रत्येक सेक्टर पर वेनान सिनेर कार्ड बन रहे हैं, अगर सभर पढ़ी रही तो दिल्ली की सभी महिलाओं के कार्ड बनने में दो साल से भी अधिक समय लग सकता है। कारण यह है कि दिल्ली में 72 लाख से अधिक महिला हैं। जबकि ऑनलाइन वेनान केवल 150-200 पिंक कार्ड बांटे ही बनाए जा रहे हैं। सरकार ने 50 सेक्टर बनाए हैं। प्रत्येक सेक्टर पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक कार्ड बनाए जा रहे हैं। हर सेक्टर पर महिलाओं को दो पचगो में कुल 150 टोकन दिए जाते हैं। लंच तक 100 टोकन और उसके बाद 50 टोकन दिए जाते हैं। 16 मंच तक 1,10,416 पिंक कार्ड बन चुके हैं।

क्यों लगेंगे दो साल: पिंक कार्ड 5 साल से अधिक उम्र की सभी महिलाओं का बन सकता है। अगर सिर्फ मरतवा मुचो में दर्ज महिला मरतवाओं को ही अधिकार ले, तो उनकी संख्या 71 लाख से अधिक है। इस तरह अगर एक सेक्टर पर वेनान 200 कार्ड भी बनाते हैं, तो 50 सेक्टर पर वेनान अधिकतम 10,000 कार्ड बनाने होंगे। इस शिखर से एक महीने में करीब 3 लाख और पूरे साल में लगभग 36 लाख कार्ड ही बन पायेंगे, जब भी तब जब सेक्टर को भी पिंक कार्ड बनवा जाएं। ऐसे में अगर केवल महिलाएं मरतवा ही पिंक कार्ड बनवायें, तो भी इसमें लगभग दो साल का समय लग सकता है।

150-200

पिंक कार्डों का वन रहे हैं सेक्टर पर रोजाना, जबकि हर सेक्टर पर रोजाना 150 टोकन बांटे जाते हैं

ये आरही दिक्कतें

- कई महिला यंत्रियों के आधार कार्ड में दर्ज मोबाइल नंबर गलत है या खाली नहीं है।
- कई महिलाएं आधार कार्ड में दर्ज मोबाइल नंबर वास्तविक नाम सभर नहीं लाती।
- सचर डाउन के कारण मोबाइल नंबर पर ओटीपी नहीं आता। एमपीएलएन नंबर पर सबसे ज्यादा टिकटवा
- किस कपनी को पिंक कार्ड बनाने का काम दिया गया है, उसका सचर शाम 4:45 बजे ही बंद हो जाता है।

खाड़ी में जंग 17 दिन



ट्रंप की नाटो को चेतावनी, चीन से मांगी मदद

हॉरर बना होर्मुज

एपी, काहिरा

इरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज जलमार्ग (Strait of Hormuz) दुनिया की सबसे बड़ी पेट्रोलियम निर्यात गंगा है। इसका अर्थ है कि दुनिया के अनेक देशों को तेल की आपूर्ति के लिए इस जलमार्ग पर निर्भर है। इसीलिए इस जलमार्ग पर होने वाली किसी भी खतरा को लेकर दुनिया के अनेक देशों में चिंता बनी हुई है।

इरान के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप लगातार दूसरे दिनों से अलोक्य कर रहे हैं कि वे अपने पड़ोसी और नैतिक बल के साथ इस जलमार्ग को सुरक्षित बनाने में मदद करें। उन्होंने चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मन और इटली को तेल की आपूर्ति के लिए इस जलमार्ग पर निर्भर है। इसीलिए दुनिया के अनेक देशों में चिंता बनी हुई है।



M.A. Admission Notice

Get personal placement support through Corporate Resource Centre including interview prep, technical evaluation, case studies, live projects, COI lectures...

Gain extensive practical experience through conferences, research projects, clinical visits, community outreach programs...

Earn global exposure through the 5-week Study Abroad Program in New York, London, Singapore & Dubai, Immersion Program, Dual Degree Program...

Benefit from Amity's 700,000+ strong global alumni community that offers unmatched mentorship opportunities, access to professional networks and career pathways

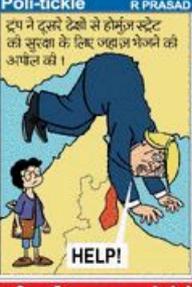
Secure placements in leading organisations like AIMS, Fortis, Deloitte, PwC, KPMG, Niti Aayog, Dentsu, Republic TV, Genesis PR...

Get selected for Doctoral studies at top global universities like LSE, UCL, McGill, Edinburgh, Leeds, Sheffield...

Amity University, Sector - 125, Noida
Apply at www.amity.edu | Tel: 0120-2445252
Gurgaon: www.amity.edu/gurgaon | T: 9303-399-399

जहाज भेजने में मदद करें या नहीं, मुश्किल में सहयोगी देश

चीन देशों से अमेरिका मदद मांग रहा है, वे खुद इस सवाल में सीधे शामिल होने से बचाना चाहते हैं। एक तरफ तेल आपूर्ति की सुरक्षा की बात, दूसरी तरफ क्षेत्रीय युद्ध का विस्तार बनने का खतरा है। जर्मन और अस्ट्रेलिया ने कहा है कि अभी उनकी होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षा के लिए नौसेना के जहाज भेजने की कोई योजना नहीं है। जापान ने कहा, हम समुद्री सुरक्षा अभियान को शुरू करने पर विचार नहीं कर रहे हैं।



ट्रंप को चीन का जवाब, बेहतर रिश्तों के लिए बातचीत जरूरी

चीन ने होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा में मदद नहीं की है। ट्रंप को चीन का जवाब देना होगा। चीन ने ट्रंप को चेतावनी दी है कि वह चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्तृ लिन जिहान ने कहा, देशों के विकास के बीच होने वाली बातचीत बहुत जरूरी होती है और यह चीन-अमेरिका रिश्तों को ठीक करेगी है। दोनों देशों के बीच राष्ट्रपति ट्रंप की यात्रा को लेकर बातचीत जारी है। हम तनाव कम करने के लिए प्रयत्न करेंगे।

दुनिया की ऊर्जा लाइफलाइन पर सबसे बड़ा खतरा, विकल्प क्या है?

विश्व की ऊर्जा व्यवस्था के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा खतरा होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने की आशंका है। दुनिया के अनेक देशों को तेल की आपूर्ति के लिए इस जलमार्ग पर निर्भर है। इसीलिए दुनिया के अनेक देशों में चिंता बनी हुई है। दुनिया के अनेक देशों को तेल की आपूर्ति के लिए इस जलमार्ग पर निर्भर है। इसीलिए दुनिया के अनेक देशों में चिंता बनी हुई है।

होर्मुज पर एक सही योजना को लेकर चर्चा हुई है। मेरा फ्रान्स ब्रिटेन के हिल में फैसले लेना है। बाद में आप ये नहीं कह सकते - ओह! मैंने खुद पर गलती कर दी, क्या अब पीछे हट सकता हूँ?

कीर स्टारम, ब्रिटेन के पीएम

कानूनी ढांचे में रक्षक जहाजों और उनके घालक दल के लोगों की जिम्मेदारी की सुरक्षा कैसे कर सकते हैं, जहाज तैनात करे या नहीं, देख रहे हैं स्वतंत्र रूप से

सने तकाउई, जापान PM

खल की तानातनी ने खबरें मांगीं जो विवादास्पद क्षेत्रों और वैश्विक शांति को नुकसान पहुंचाया है। फिर चीन से समीचीनता है कि पुरत संस्था

कैथरीन लिंग, अस्ट्रेलिया के कैबिनेट मंत्री

हम होर्मुज स्ट्रेट में कोई जहाज नहीं भेज रहे हैं। हम जानते हैं कि यह रास्ता एंसेबी चीज नहीं है जिसमें हम योगदान दे रहे हैं

शिप का फैसला सैन्य अधिकारी करेंगे: इरान

वायरल वॉर

काँफी वाले को बताया AI, अब नेतन्याहू का आया नया विडियो

इस विडियो में नेतन्याहू का चेहरा AI द्वारा बनाया गया है। नेतन्याहू ने कहा कि यह विडियो वास्तविक नहीं है।

होर्मुज पर US से द्विपक्षीय बातचीत नहीं: भारत विदेश मंत्रालय ने कहा- हमें पता है, इस संबंध में कई देशों से बातचीत की जा रही है

■ NBT रिपोर्ट

भारत सरकार ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट के अर्थ और सुरक्षा के लिए अमेरिका के साथ बातचीत जारी है। भारत सरकार ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट के अर्थ और सुरक्षा के लिए अमेरिका के साथ बातचीत जारी है।

कई देशों के संपर्क में, डिप्लोमैटिक चैनल कर रहे काम: इस्राइल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

इस्राइल ने कहा कि वह कई देशों के संपर्क में है। इस्राइल ने कहा कि वह कई देशों के संपर्क में है। इस्राइल ने कहा कि वह कई देशों के संपर्क में है।

रूस ने की मदद, सुप्रीम लीडर माँसको में इलाज कराने पहुंचे

इरान के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि रूस ने इरान के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को इलाज कराने में मदद की है।

वाँर अपडेट

■ न्यू यॉर्क टाइम्स के अनुसार, साउदी अरब ने कहा कि इरान पर सैन्य हमले करने की तैयारी में है।

■ अमेरिका और इस्राइल को और से इरान पर सैन्य हमले करने की तैयारी में है।

■ लेबनान की राजधानी बिरतन में भी एक बड़ा हमला हुआ। इसका कारण है कि इरान ने इरान पर सैन्य हमले करने की तैयारी में है।

■ इरान पर सैन्य हमले करने की तैयारी में है।

दुबई एयरपोर्ट के पास हमले से उड़ानें कैंसल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दुबई एयरपोर्ट के पास हुए हमले से उड़ानें कैंसल हो गईं। दुबई एयरपोर्ट के पास हुए हमले से उड़ानें कैंसल हो गईं।

दुश्मन से सुआया खामेई लोगों: मौजताबा खामेई

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

मौजताबा खामेई ने कहा कि दुश्मन से सुआया खामेई लोगों: मौजताबा खामेई।

फैक्ट चेक

ईरान में इस्राइली सैनिक पकड़े जाने का विडियो फर्जी

इरान में इस्राइली सैनिक पकड़े जाने का विडियो फर्जी है।

ईरान में रोजमर्रा की जिंदगी हो गई मुश्किल, इंटरनेट न होने से परिवार से संपर्क साधने पहुंचे बॉर्डर पर बाँडर खुलते ही इराक पहुंचे ईरानी, काम और सस्ते सामान की तलाश

■ एपी, हाजी ओमेरान (इराक)

इरान में इंटरनेट ब्लैकाउट जारी है। ईरानी लोग इराक के बॉर्डर पर पहुंचे हैं।

इरान में इंटरनेट ब्लैकाउट जारी है। ईरानी लोग इराक के बॉर्डर पर पहुंचे हैं।



नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली/एनसीआर | मंगलवार, 17 मार्च 2024

शक्ति को कल्पपूर्वक कायम नहीं रखा जा सकता, वह केवल समझ और सहमति से ही प्राप्त होती है।

- अल्बर्ट आइंस्टीन

फंस गए ट्रंप

ईरान के खिलाफ अमेरिकन एफिका मुव्ही लॉन्च करने के बाद से अभी तक अमेरिकी कंग्रेट्रि डिजिटल ट्रंप दर्जनों बार दोहरा चुके हैं कि 'यह जंग उल्टी कर रहा है' और 'ईरान वास्तविकता के लिए जिम्मेदार है'। हालांकि दो हफ्ते से ज्यादा बतवात भी जो जर्मनी तक फैल चुके हैं, वह कहानी है कि ईरान की धमकियों को आकस्मिक अमेरिकन-इराकल से चुक हो गई। यह बात ट्रंप की उन अपीलें से भी जाहिर हो रही है, जो उन्होंने होमजु स्टेट को लेकर की हैं।

दबाव की रणनीति। ट्रंप चाहते हैं कि नैटो और दूसरे देश भी होमजु स्टेट को बलवाने के लिए आगे आएँ। उन्होंने जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और फ्रांस का नाम लिया है। हालांकि किसी भी देश ने इसमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। ऑस्ट्रेलिया ने तो सफाई पर इनकार कर दिया है, जबकि जापान ने कानूनी बाधा बता दी है। इस ब्रेकथ्रू पर ट्रंप ने नैटो को धमकी दी है, तो पेंसिंग को 'बाद' दिखाव है कि होमजु स्टेट से होकर उसका '90% तेल' जात है, और उनकी चीन खासा टेल भी सकती है। दूसरों को इस लक्ष्य में खींचने की केवला बतवती है कि ट्रंप फ्रंट महसूस कर रहे हैं।

एकतरफा फैसला। अमेरिका और इराकल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा युद्ध त्त शुरू किया, जब समझौते को लेकर बातचीत चल रही थी और माना जा रहा था कि इस बार कोई रास्ता निकल सकता है। इस एकतरफा फैसले का ही असर था कि ब्रिटेन ने शुरू में अपने सैन्य थ्रु इराकल करके ही इराकल नहीं दी थी, किसे लेकर ट्रंप आज तक नजर कमाए जाते हैं।

तेल पर असर। अमेरिकन-इराकल इराकल ईरान की ताकत को ही भांपने में गलत रहित नहीं हुए, किंतु वह समझौते की चुक कर गए कि संघर्ष किताना ज्यादा हो सकता है। अब इराकल असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। धरती का सबसे व्यस्त तेल मार्ग बंद है। बड़नी अतिरिक्तन ने कूड अक्षर के तम को 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच दिया है। पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था दबाव का सामना कर रही है।

बड़ी चुक। हाकलत पर समझौते की उम्मीद टूटने से अब भी नहीं जा सकता है। वह तो अपने दावे पर कायम है कि ईरान समझौता करना चाहत है, जबकि नेहान बार-बार कह रहा है कि अमेरिका को उसकी आसामकलत का जवाब दिखना चाहिए। अमेरिकी मॉडिय और वहां के कई जनता मान रहे हैं कि जाहंगीरान से बड़ी चुक हो गई। ईरान युद्ध पश्चिम एशिया को लेकर अमेरिका के गलत आकलन और पूर्वाग्रहों का एक और उदाहरण है।

ऐवें कुछ भी

नैना ठग लेंगे

नैन लड़ नहीं तो मन्ना में कसक होइये करी कविश्रेण ने खुले पाले आगाह कर दिख था। मेरे नैनो में कसक हो गई थी, निभाण के लिख डॉक्टर के कल नंबर लगाया। जब हजार रुपये की फीस जमा की तो मन्ना में भी धारी कसक हुई। ऐसे ही एक महीने डॉक्टर ने मरीज से पूछा, 'इलाज से फायदा हो रहा है?' मरीज ने सफर कर दिया, 'किता आफो फायदा हो रहा है, उनन नही'।

चैर, फीस जमा करके उस एरिज में बैठे बहाने दवा टपका कर आंखों की पुनर्निर्माण फैलाई जाती है। जगह कम थी, मरीज तह करके एक दूसरे की काल में बेवारा जा रहे थे। ऐसे में एक बाप-बेटा-बहू की तिकड़ी बहा पहुंची। अडेटेड ने कहा कि बुगुं के सास एक ही रह सकता है। शोरी बहस के बाद सास हवा कि जरूरत दोनों की थी। बेटा विशालकाय बुगुं को सहालने के लिख शारीरिक रूप से जरूरी है और डॉक्टरों को बात समझने के लिख बहू बहिनचन से।

नाल में छोटे से नैन जो। कुछ सरगना टाढ़ा नाम था उनका। उस करी 70 साल, सास में बेठी। आंखों में दवा और मन में अतन विवास लिए बैसे थे। आंखें बंद थीं, लेकिन हर आहट को टटोकर पंथे के दिग्गम का दर्शन कर रहा था, 'क कौन आया, वहां कौन बैठा है, चिल्ला कौन रहा है, कौन कस रहा है?' अकलक लाल कि कोई 'सेवा' 'यह आकलनगी है। अब आग गमगुन प्रकाट किंसे से जरूरी कायम सुनिर्ण'। गौर से देखा कि एक मरीज डॉक्टर के समने बैदकर उसी आंख में क छ ग प फंदकर सुना रहा था। तौन क छ अडेटेड आंख और बापल में बैठी महिल के आंखों में दवा टपकाई। अककच कर महिल ने चट से उसकी कलाई पर चाल लगा दी। बाद में समझ आया कि पुकनी फैलाने वाली दवा के असर से नेचारी उड़ गई थी। हम समझने जा ही रहे थे कि अडेटेड बेला, 'अपनी चिंत कते, चम्पा उनके, आंख में दवा डालनी है'।

बोल वजन

चौखट पर चढ़ना

चौखट शब्द का सम्बन्ध अर्थ दरखाने के चबे और लण लकड़ी या पत्थर का टुकड़ा है, जिसके सहारे दरवाजा टिका रहत है और जिसके भीतर से होकर हम घर में प्रवेश करते हैं। शब्द की रचना पर ध्यान देते तो 'खे' का अर्थ चार और 'खट' का अर्थ काठ। अर्थ किताय या लकड़ी का टुकड़ा माना जात है। यही कारण है कि आंखों में चढ़े चौखट कहते हैं। हिंदी के साभ-सभ कई भारतीय भाषाओं में भी इसके मिलने-जुलने रूप मिलते हैं। मराठी में चौखट कहते हैं। चौखट शब्द का इराकल अला-अलग अर्थों में भी होत है। जब कहते हैं 'घर की चौखट लॉन्च, तो इसका अर्थ किसी परिवार की जुनिज में प्रवेश करना या उससे बाहर निकलना भी होत है। इसी तरह 'सिखा की चौखट पर जाना' सम्पन्नपूर्वक किसी से मिलने या सहायता मांगने का संकेत देत है, जबकि 'अव में उसकी चौखट पर नहीं जाऊंगा' दोष स्थापितन का भाष प्रकट करत है। अंग्रेजी में चौखट को door frame कहते हैं। शब्द इस्तेमाल फेते फेते को कल लेगे चौखटा कह देते हैं। चौखट कहते हैं, तो इसका अर्थ निम्न या चिह्नित से नव हटा हो जात है। 'चौखटे में नज्जु होना' एक मुहावरा है, जिसका अर्थ होत है सौभाग्य से बंधा होना।



दिलीप लाल

खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में काम करते हैं भारतीय, तेल-LPG बन सकते हैं मुद्दा इन चुनावों में भी दिखेगा ईरान का असर

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पड़ुचे में चुनाव की तारीखों का एलन ऐसे समय किया है, जब देश-दुनिया के सामने कई चुनौतियां हैं। खाड़ी क्षेत्र में युद्ध की आशंका से LPG सिलिंडर की किल्लत बढ़नी तेल कीमतें गिरना श्रेय बाजार और अर्थव्यवस्था पर दबाव चिंत बढ़ा है। ईरान और अमेरिका-इराकल तनाव के कारण कई भारतीय वहां फंसे हैं। तमिलनाडु, केरल और पड़ुचे में तेलों लोग खाड़ी देशों में काम करते हैं, इसलिए वहां की स्थिति इन राज्यों की राजनीति और जनमानस को प्रभावित कर सकती है।

कई सवाल। इस बार फेरल मुठों के साथ वैश्विक हाकलत का असर भी दिख सकता है। ऐसे में कई सवाल हैं। क्या मन्ना कर्नाई पश्चिम बंगाल में चौबी बार सत्ता में लौटने के लिए पूरा जोर लगा रही है। BJP उन्हें सत्ता से हटाने की कोशिश में है। दोनों

के बीच कड़ा मुकाबला माना जा रहा है। बंगाल की राजनीति में बल्लेश शंभू घुसपै और सामाजिक समीकरण अंधा भूरे हैं। चुनावी कार्यक्रम घोषित होने से पहले मन्ना ने कर्मचारियों, पेशवों और शिक्षकों के लॉनत माहफाड भते के मुगलन का एलन किया। साथ ही पुनारिखे और मुअज्जने का मानदेय 500 से बढ़ाकर 2000 रुपये कर दिया।



चुनौतियों के बीच चुनाव

- केरल-तमिलनाडु के कई लोग पश्चिम एशिया में फंसे
- पश्चिम बंगाल में घुसपैड व बांग्लादेश सीमा असम मुठे
- दक्षिण में बनते हुए समीकरण, क्षेत्रीय पार्टियां नजदत

कमजोर होने के बाद फुल्लिम चोसई TMC की ओर गए, कुछ हिंदु चोड BJP को मिले। अब असमहीन ओरिसे की AIMIM और अन्य नई तकने समीकरण बदलने की कोशिश में है।

क्षेत्रीय दलों का सहारा। तमिलनाडु में BJP और कांसय क्षेत्रीय दलों के सहारे चुनाव लड़नी है। यहां मुख्य कृषकका DMK और AIDMK के बीच है। जयललिता के निधन के बाद AIDMK कमजोर हुए। पन्नी रसेलवम के DMK में शामिल होने से पार्टी को बहा इटाका लगा है। दूसरी ओर मुल्लमथी एमके स्टालिन के नेतृत्व में DMK अपना गठबंधन मजबूत कर रही है। अतिरिक्त विजय की पार्टी तमिषण वेदी कडुमम तीसरे विकल्प के रूप में उभर रही है।

BJP को भरोसा। केरल में LDF देश में लेफ्ट का

कांटे की बात

विदेशी लोगों की प्रेषाहणियों के भारतीय मालिकों को पकिस्तानी सिलेडिजियों को खरीदने से बचाव करना चाहिए। वह जो फीस पकिस्तानी सिलेडिजियों को देते, उससे वह अपनी सरकार को इनकम टैक्स देते, जिससे उनकी सरकार हथियार खरीदेगी।

सुनील गायस्कर, पूर्व क्रिकेटर

डॉक्टरों का भी 'डॉक्टर' है यह रोबोट

MedOS युनिज का पहल रोगों मेंडिकल सिस्टम है। यह बीमारी के लक्षण और टेस्ट रिजल्ट देखकर डॉक्टरों को इलाज का तरीका बताता है। इसे रसेलनेड और सिस्टम युनिवर्सिटी के रिसर्चल में बनाया है। अभी यह डॉक्टरों के साथ काम कर रहा है।

प्रदीप सिवारी

जनाता जयंजान

एन सीपी के आई स्टार ने अपने जलितमैरी टिकट खेरे

मैसुम धिया आरके पास एक मुदई-खोसरा टिकट मिल सकती है?

महानगरों के लिए क्यों सही है रैपिड रेल

रैपिड रेल

रैपिड रेल से दिल्ली और मेरठ के बीच का 82 किमां का सफर एक घंटे से भी कम वकन में पूरा होने लगा। इससे महानगरों में बड़नी जनसंख्या के बेडा कम किया जा सकता है। दिल्ली में बड़ने जनसंख्या दबाव का अडुपान 1956 में ही लगाव गया था। वहीं रोच के साथ 1985 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) प्लानिंग बोर्ड बना और फिर रैपिड रेल का विचार रखने आया।

रामस्यंघ सुलझेगी

आबादी कम होगी तो महानगरों में प्रदूषण, ट्रैफिक जाम, सलम और अर्थनिकल बरतने की समस्या कम होगी। आसपास के छोटे शहरों का विकास होगा और बेकाम के अवरक बढ़ेंगे। दरदरान से लगे बड़े शहरों में कर्मचारी आने हैं। वे बस-ट्रेन पर ज्यादा निर्भर हैं। भारतीय रेलवे का मुख्य काम लंबी दूरी की ट्रेने चलाना है, लेकिन उसे 100 किमां के लिख भी इंटरसिटी ट्रेने चलानी पड़नी है। इससे टिकटों में बड़ना बढ़त है।

बिना अतिवाद स्त्री मुद्दों पर लिखती हैं ममता

ममता कालिया

एकान्तिक आत्म-मनन और सामूहिक अतिवच चेष को अपने कलात्मक विवेक से बहिन और निरन्तरन से रेखनिक करते खाली रचनाकार हैं। बहुमुखी लेखिका, जिनोंने पिछले पंच दशकों से अतिक समय तक अपनी लेखनी से हिंदी कथानी, उपन्यास, कविता, नाटक, संस्मरण और निबंध जैसी विधाओं को समुद्र किया। उनके लेखनों में जिन शहरों का चित्र आता है, उनमें इलाहाबाद (अब प्रयागराज) सबसे प्रमुख है। इस शहर का अतुपव और इससे जुड़ी उनकी निगमन व्यक्तितन जिंगी को 'जौती जो इलाहाबाद' में देखा जा सकता है। आरंभ में उन्होंने ओधी में कविता लिखी, लेकिन प्रयागराज आकर रवींद्र कालिया और अन्य हिंदी शहिलेखकों - महादेवी वर्मा, अमृपुत्र वर्मा, अमृकान्त, इलाकल जेशी आदि के संपर्क में आने के बाद वह पूरी तरह हिंदी सहीत्य में समर्पित हो गईं।

साहित्य अकादमी सम्मान पर विशेष

के संघर्ष से अलाग या कमतर नहीं मानती, बलिक समजशास्त्रीय रूप से अतिक विकट बनती हैं। उन्होंने 200 से अधिक कहानियां लिखी - 11 उपन्यास, कई कविता-संग्रह, नाटक और संस्मरण दिए। वह अपने पहले ही उपन्यास 'जेवर' में घर-परिवार की अस्थिरता और स्त्री की फाकन की खोज करती नजर आती हैं। 'नक दर नक' में वैश्विक संबंधों की जटिलताओं और फारसिक यतनओं का चित्रण करते हैं। ललकिण, एक पत्नी के नेरड, दुःखमय सुलझम, प्रेम - और उनकी अलग तमाम रचनाओं में एक मुहिणी के अंतर्गत गहन आत्मविनय को पकू पा सकते हैं। 'वह लिखती हैं', 'पञ्चमणीय जीवन के अपने

कहीं दूसरों की तारीफ हमारे भीतर अहंकार को न बढ़ा दे

स्वामी अयधेयानंद निरि

व्यवहार से सम्बन्ध में जो उचित कानी है, वही मनुष्य का व्यक्तिक कलवती है। जौने को तो लेगे किसी भी तरह जीवन विव लेते हैं, लेकिन जब आचरण में शालीनता और व्यवहार में मधुलता शामिल हो जाती है, तब जीवन सख्त और अर्थपूर्ण हो जात है। अकरम हम अपने व्यवहार का सही आकलन नहीं कर पाते, लेकिन जब अपनी गलतियों को समझने का प्रयास करते हैं, तो वही आत्मनिरीक्षण बन जात है। यही आत्मनिरीक्षण व्यक्त को आगे बढ़ने की दिशा देता है और सफलता की पहली सौंदी भी बनता है।

रीडर्स मेल

मतदाताओं का भरोसा

16 मार्च का संवैधानीय 'आशे की तुनीती' चार राज्यें असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और एक एकक शक्ति पड़ुचे में विधानसभा चुनाव आगामी चुनावों की ओर ध्यान दिलवत है। ये चुनाव न केवल क्षेत्रीय राजनीति, बलिक राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी महत्वपूर्ण होंगे। चुनावी वार्दे और नकद हकलतन की बड़नी प्रकृति राज्य की वित्तीय स्थिति पर दबाव डाल सकता है। राजनीतिक हितों की आशंका भी चिंत का विषय है। इसलिए चुनाव शांतिपूर्ण, फारदर्शी और मतदाताओं के विश्वास के अनुकूल हो।

मृगाल रोखामी, इंपेत से

nbdtditimesofindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ भेजें।

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

Hindi-English News Paper

Website:- onlineftp.in